सतना | मंगलवार | 23 सितम्बर 2025 | वर्ष 27 | अंक 023 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00 navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्र हित का प्रहरी 1934 से

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

मां ब्रह्मचारिणी की होगी पूजा

शारदीय नवरात्रि का दूसरा दिन माता ब्रह्मचारिणी को समर्पित होता है। माना जाता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा करने से साधक को तप, संयम, ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है। यह रूप साधना, तपस्या और आत्मबल का प्रतीक है। पुराणों के अनुसार, पार्वतीजी ने शिवजी को पति रूप में पाने के लिए घोर तप किया था। उसी तपस्या की स्मृति में ब्रह्मचारिणी की उपासना होती है। इस दिन साधक के भीतर धैर्य और ऊर्जा का संचार होता है। सूर्योदय के बाद स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थल पर आसन पर बैठकर संकल्प लें। मां की प्रतिमा/चित्र के सामने दीपक जलाकर गंगाजल छिड़कें और ब्रह्मचारिण्यै नमः मंत्र का जप करें। मां को लाल/पीला वस्त्र, चंदन, कुमकुम और पुष्प अर्पित करें। धूपबत्ती और कपूर से आरती करें। मिश्री, गुड़, शक्कर या शहद का भोग लगाएं।

नागरिक देवो भव : मंत्र

11 वर्षों में हमारे प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर | **12** लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं लिया जा रहा | **2.5** लाख करोड़ रुपये बचेंगे देशवासियों के सालाना

नई दिल्ली, 22 सितंबर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को नवरात्र और जीएसटी बचत उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए सोमवार को कहा कि उनकी सरकार का मंत्र -'नागरिक देवो भवः' है।

मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देशवासियों के नाम एक खुला पत्र साझा किया। इस पत्र में उन्होंने लिखा कि देश की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की यात्रा 2017 में शुरू हुई थी, तब देश को अनेक तरह के कर और टोल के जंजाल से मुक्ति मिली थी। इससे ग्राहकों और व्यापारियों, कारोबारियों को बहुत राहत मिली थी। अब अगली पीढ़ी से जीएसटी सुधारों में सिस्टम को और सरल बनाया गया है। इससे दुकानदारों और छोटे उद्योगों की सहूलियत और बढ़ेगी। उन्होंने लिखा, 'नागरिक देवो भवः' हमारा मंत्र है। पिछले 11 वर्षों में हमारे प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये हैं। देश में एक नया मिडिल क्लास तैयार हुआ है। अब इसे और सशक्त बनाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी में नये सुधार आज से प्रभावी हो गये हैं। इसके तहत कर स्लैबों की संख्या चार से घटाकर दो कर दी गई है। अब सिर्फ पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत के स्लैब हैं। इनके अलावा खाने-पीने के सामान, बच्चों की स्टेशनरी, जीवन बीमा और व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा आदि पर शून्य कर हो गया है। अधिकतर वस्तुओं और सेवाओं पर कर कम किया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने मध्यम वर्ग को भी मजबूत किया है। अब 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं लिया जा रहा है।

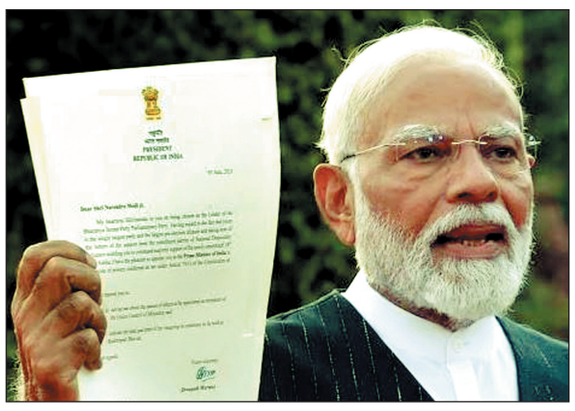

> आयकर छूट और नये जीएसटी सुधारों को मिलाकर देशवासियों के सालाना लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये बचेंगे। उन्होंने पत्र में लिखा कि जीएसटी सुधारों से किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग सभी को फायदा होगा। रोजमर्रा की जरूरी चीजें जैसे खाना, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट और कई अन्य सामान अब या तो कर मुक्त होंगे या पांच प्रतिशत के सबसे कम स्लैब में आएंगे। घर बनाना, वाहन खरीदना, बाहर खाना या परिवार के साथ छुट्टियां मनाना अब आसान होगा।

पीएम मोदी ने पंडित जसराज का भजन किया साझा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से शुरू हुए नवरात्र के पावन अवसर पर प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित जसराज द्वारा रचित एक भक्तिमय भजन साझा किया और इसे इस त्योहार की शुद्ध भक्ति भावना का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किए गये एक संदेश में नवरात्र के दौरान संगीत और आध्यात्मिक अभिव्यक्ति के बीच गहरे संबंध पर ज़ोर देते हुये कहा नवरात्र शुद्ध भक्ति का पर्व है. बहुत से लोगों ने इस भक्ति को संगीत के माध्यम से आत्मसात किया है. पंडित जसराज जी द्वारा रचित एक ऐसा ही भावपूर्ण भजन साझा कर रहा हूं. मोदी ने जनभागीदारी को प्रोत्साहित करते हुये नागरिकों से अपने स्वयं के भजन या व्यक्तिगत पसंदीदा भजन साझा करने का भी आह्वान किया.

सीएम ने व्यापारियों को बताए जीएसटी के फायदे

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 22 सितंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को राजधानी के सोमवारा और भवानी चौक बाजार पहुंचें. यहां उन्होंने जीएसटी रिफॉर्म जन जागरण अभियान के तहत व्यापारियों और ग्राहकों से संपर्क कर संवाद किया. इस दौरान मुख्यमंत्री ने एक दुकान से कपड़ा भी खरीदा और सभी से स्वदेशी वस्तु दुकानों में रखने और उसे ही खरीदने के लिये प्रोत्साहित करने का आग्रह किया.

चौक बाजार में मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर दुकानदारों के साथ ही ग्राहक भी प्रसन्न नजर आये. मुख्यमंत्री ने व्यापारिक, सामाजिक संगठनों, ग्राहकों और आम नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को मिलने वाली छोटी से छोटी चीज भी मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया होना चाहिए. स्वदेशी के मूल भाव को अपनाते हुए हम देश को अग्रणी राष्ट्र बनाने के लिए आगे बढ़ेंगे. जीएसटी की दरों में कटौती कर प्रधानमंत्री जी ने देश को बड़ी सौगात दी है. उद्यमियों, आम जनता के कल्याण के लिए जीएसटी की दरें घटाई गई हैं. भारत स्वदेशी के भाव को लेकर ही आजाद हुआ है. हम स्वदेशी अपनाकर ही देश को और समृद्ध बना सकते हैं.

> मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सबसे पहले कर्फ्यूवाली माता मंदिर में दर्शन किया. इसके उपरांत सीएम यादव पुलिस चौकी के समीप से पैदल भ्रमण शुरू किया और दीपाली साड़ी तक पहुंचे. इस दौरान सीएम ने व्यापारियों एवं दुकानदारों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में किए गए बदलाव की जानकारी दी एवं जीएसटी रिजोल्यूशन की कॉपी दी. मुख्यमंत्री ने खरीदारी कर रहे ग्राहकों से भी जीएसटी की कम हुई दरों को लेकर प्रतिक्रिया जानी.

एक नजर में

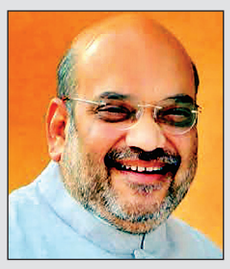

आतंक की कमर तोड़ रहे हैं सुरक्षा बल : शाह

नई दिल्ली. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के एक ओर सफल अभियान की सराहना करते हुए कहा है कि सुरक्षाबल नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त कर लाल आतंक की कमर तोड़ रहे हैं. छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में आज हुई मुठभेड़ में भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति के दो सदस्य मारे गए हैं. मृतकों की पहचान राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी के रूप में हुई है जिनमें से प्रत्येक पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 40 लाख रुपये का इनाम घोषित था.

गुस्ताखी माफ

पूर्व बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर उड़ाए 23 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 22 सितंबर. दिल्ली में साइबर ठगी का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. ठगों ने एक पूर्व बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर करीब 23 करोड़ रुपये हड़प लिए. पुलिस ने अब तक 12.11 करोड़ रुपये फ्रीज करा दिए हैं, जबकि बाकी रकम अलग-अलग खातों और जगहों से निकाली जा चुकी है.

मामला दिल्ली पुलिस की साइबर यूनिट आईएफएसओ को सौंपा गया है. दिल्ली के रहने वाले पूर्व बैंकर नरेश मल्होत्रा को 4 अगस्त को एक कॉल आया. कॉल करने वाली महिला ने खुद को टेलीकॉम कंपनी की अधिकारी बताया, उसने कहा कि उनका मोबाइल नंबर गैरकानूनी गतिविधियों में इस्तेमाल हो रहा है. इसके बाद ठगों ने मुंबई पुलिस, ईडी और सीबीआई अधिकारी बनकर लगातार संपर्क बनाए रखा. धीरे-धीरे पीड़ित को यकीन दिलाया गया कि अगर उन्होंने सहयोग नहीं किया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी. इसी डर में 4 अगस्त से 4 सितंबर तक उन्हें डिजिटल अरेस्ट की स्थिति में रखा गया.

भारत को खुद बनाना होगा अपना रास्ता

- संघ प्रमुख ने पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में की शिरकत
- एच-1बी वीजा और टैरिफ पर मोहन भागवत का बयान

नई दिल्ली 22 सितंबर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिकी टैरिफ और इमीग्रेशन संबंधी फैसलों पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत को उभरी स्थिति से बाहर निकलने के लिए जो भी आवश्यक हो वह करना चाहिए, लेकिन उसे भविष्य में ऐसी समस्याओं से खुद को बचाने के लिए विकास और प्रगति के 'सनातन' दृष्टिकोण का पालन करते हुए अपना रास्ता खुद बनाना शुरू करना चाहिए।

पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि भारत सहित विश्व के सामने आज जो समस्याएं हैं, वे पिछले 2000 वर्षों से अपनाई जा रही उस व्यवस्था का परिणाम हैं, जो विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित रही हैं। उन्होंने कहा, हम इस स्थिति से मुंह नहीं मोड़ सकते। हमें इससे बाहर निकलने के लिए जो भी जरूरी हो, वह करना होगा। लेकिन हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने आगे कहा, हमें अपना रास्ता खुद बनाना होगा। हम कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे। लेकिन भविष्य में किसी न किसी मोड़ पर हमें इन सब चीजों का फिर से सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस खंडित दृष्टिकोण में एक ओर मैं होता है और दूसरी ओर बाकी दुनिया, या हम और 'वे'। भारत को जीवन के चार लक्ष्यों - अर्थ (धन), काम (इच्छा और आनंद) और मोक्ष (मुक्ति) के अपने सदियों पुराने दृष्टिकोण का पालन करना चाहिए, जो धर्म से बंधा हो और यह सुनिश्चित करता हो कि कोई भी पीछे न छूटे।

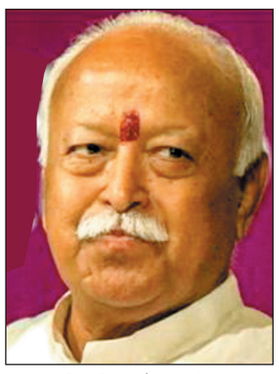

रक्षा सिद्धांतों के क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताएं हो रहीं विकसित : चौहान

नई दिल्ली, 22 सितंबर (वार्ता) प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने युद्ध के बदलते स्वरूपों के बीच भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए विमानों, युद्धपोतों, हथियारों, नेटवर्क और रक्षा सिद्धांतों के क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने के लिए शिक्षा, स्टार्टअप और उद्योग जगत की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है.

जनरल चौहान ने सोमवार को यहां तीनों सेनाओं की अकादमिक प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (टी-सैट्स) के पहले संस्करण का यहां उद्घाटन किया. इसमें भारतीय सशस्त्र बलों के लिए विशिष्ट और भविष्य की प्रौद्योगिकी के विकास के लिए सेवा-अकादमिक अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र का समन्वय किया गया. कार्यक्रम में प्रमुख सरकारी और निजी प्रौद्योगिकी संस्थानों सहित कुल 62 संस्थानों के छात्रों के साथ-साथ शैक्षणिक और प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के निदेशकों और विभागाध्यक्षों ने भाग लिया.

अमेरिका के बाद चीन लाया के-वीजा

अमेरिका ने प्रोफेशनल्स के लिए एच-1बी वीजा फीस बढ़ाई

साइंस, टेक्नोलॉजी, मैथ से जुड़े युवाओं के लिए के-वीजा

बीजिंग, 22 सितंबर. अमेरिका ने प्रोफेशनल्स के लिए एच-1बी वीजा की फीस करीब 6 लाख से बढ़ाकर 88 लाख कर दी है। इस बीच चीन ने नया 'के-वीजा' शुरू करने का ऐलान किया है। के-वीजा साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ से जुड़े युवाओं और स्किल्ड प्रोफेशनल्स के लिए है। यह 1 अक्टूबर, 2025 से जारी होगा।

इन सब्जेक्ट्स में रिसर्च कर रहे कैंडिडेट भी के-वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। खास बात यह है कि चीनी कंपनी से नौकरी का ऑफर न होने पर भी इस वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। अमेरिका ने 21 सितंबर से एच-1बी वीजा फीस बढ़ा दी है। इससे प्रोफेशनल्स को अमेरिका जाने में मुश्किलें होंगी। ऐसे में चीन के के-वीजा को एच-1बी का विकल्प माना जा रहा है।

> इस बीच ब्रिटेन भी हाई स्किल्ड लोगों के लिए वीजा फीस खत्म करने पर विचार कर रहा है, जिन लोगों ने दुनिया के टॉप 5 यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की है या फिर कोई बड़ा इंटरनेशनल अवॉर्ड जीता है, उनकी पूरी वीजा फीस माफ हो जाएगी। फिलहाल, ब्रिटेन के ग्लोबल टैलेंट वीजा की आवेदन फीस 766 पाउंड (करीब 90 हजार) है। ब्रिटेन में 26 नवंबर को बजट पेश होगा, इससे पहले वो इस फीस को खत्म करने का फैसला ले सकता है।

1 लाख 11 हजार के पार सोना

नई दिल्ली, 22 सितंबर. घरेलू कमोडिटी बाजार में सोमवार को सोना-चांदी की कीमतों में उछाल देखा गया। कारोबार में सोना 1 लाख 11 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत को पार कर गया, जबकि चांदी 1 लाख 32 हजार रुपये प्रति किलो के ऊपर पहुंच गई। दोनों धातुओं की कीमतों में यह बढ़ोतरी इंटरनेशनल बुलियन प्राइस में उछाल, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती, अमेरिका में महंगाई के आंकड़ें से पहले दर्ज की गई है। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 3 अक्टूबर की कॉन्ट्रैक्ट एक्सपायरी वाला सोना 1 लाख 11 हजार 166 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर पहुंच गया.

शादेय नवरात्रि पर्व की आप सभी को हार्दिक शुभकानाएं

जिला कोषाध्यक्ष भाजपा सिंगरौली की जिम्मेदारी दिये जाने पर प्रदेश नेतृत्व एवं जिला नेतृत्व का कोटिशः धन्यवाद एवं सादर आभार...

सुन्दरलाल शाह
जिलाध्यक्ष, भाजपा सिंगरौली

अंजनी जायसवाल
कोषाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, सिंगरौली

योगी सरकार का बड़ा फैसला | इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जातिगत भेदभाव खत्म करने सक्रिय कदम उठाने का दिया था निर्देश

यूपी में एफआईआर में नहीं होगा जाति का उल्लेख

लखनऊ 22 सितंबर. उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जातिगत भेदभाव रोकने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब यूपी में वाहनों पर जाति संबोधित नारे या पोस्टर नहीं लगाए जा सकेंगे। प्रदेश में जाति सम्मेलन भी नहीं कराया जा सकेगा। कुछ दिन पहले ही इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जातिगत भेदभाव खत्म करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का निर्देश दिया था। अब योगी सरकार ने इसे देखते हुए बड़ा फैसला लिया है।

मुख्य सचिव दीपक कुमार ने आदेश दिया है कि सरकारी दस्तावेजों, पुलिस रिकॉर्ड्स और सार्वजनिक स्थानों से जाति का उल्लेख हटाया जाएगा। एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मामले में यह छूट जारी रहेगी। प्रदेश सरकार के इस फैसले का असर पुलिस रिकॉर्ड्स, एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो, थानों के नोटिस बोर्ड, वाहनों और साइनबोर्ड्स सब जगह दिखेगा। अब इन सभी जगहों से जातीय संकेत और नारे पूरी तरह हटा दिए जाएंगे। सोशल मीडिया पर भी सख्त निगरानी होगी और प्रदेश में जातीय सम्मेलन नहीं कराए जा सकेंगे।

अधिसूचना जारी कर दी गई है। नए नियमों के तहत अब एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो और अन्य पुलिस रिकॉर्ड्स में जाति का उल्लेख नहीं होगा। आरोपियों और सभी पक्षों की पहचान के लिए माता-पिता के नाम जोड़े जाएंगे। एससी/एसटी एक्ट जैसे विशिष्ट मामलों में जाति के उल्लेख को छूट दी जाएगी, ताकि कानूनी प्रक्रिया प्रभावित न हो। मुख्य सचिव की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, निर्धारित आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और पुलिस नियमावली में जल्द संशोधन किया जाएगा।

> **यूपी में जातिवादी सम्मेलनों पर भी लगेगी रोक**
>
> इस आदेश के तहत थानों के नोटिस बोर्ड, पुलिस वाहनों और सार्वजनिक साइनबोर्ड्स से जाति आधारित संकेत, जैसे यादव, जाट, गुर्जर या अन्य समुदायों के नारे, पोस्टर वगैरह नहीं लगाए जा सकेंगे। इसके अलावा, प्रदेश में होने वाले जातिवार सम्मेलनों पर भी रोक लगाई जाएगी। सोशल मीडिया पर भी ऐसे पोस्ट और पेजों की सख्ती से निगरानी की जाएगी।